Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत का कितना भाग 75 सेमी. से कम वर्षा प्राप्त करता है?

(अ) दो – तिहाई (ब) तीन – चौथाई
(स) आधा (द) एक – तिहाई

2. निम्नलिखित में से सर्वाधिक गर्म महीना कौन-सा है?

(अ) अगस्त (ब) मई
(स) अप्रैल (द) जुलाई

3. निम्न में से विषम जलवायु वाला केन्द्र कौन-सा है?

(अ) चेन्नई (ब) त्रिवेन्द्रम
(स) मुम्बई (द) दिल्ली

4. पर्वतीय शुष्कतम् स्थान किस राज्य में है?

(अ) सिक्किम (ब) अरूणाचल प्रदेश
(स) राजस्थान (द) जम्मू-कश्मीर

5. ग्रीष्म ऋतु में उत्तरी मैदानों में बहने वाली पवन को निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है?

(अ) इनमें से कोई नहीं (ब) लू
(स) काल वैशाखी (द) व्यापारिक पवनें

6. सबसे सम जलवायु वाला शहर?

(अ) मुम्बई (ब) कोलकाता
(स) त्रिवेन्द्रम (द) दिल्ली

7. निम्नलिखित में से कौन-सी बात दक्षिण भारत के लिए सत्य नहीं है?

(अ) वार्षिक ताप परिसर कम है (ब) वर्ष भर तापमान उच्च रहता है
(स) विषम जलवायु पाई जाती है (द) दैनिक ताप परिसर कम है

8. क्वार-की उमस अंग्रेजी कलेंडर के अनुसार किस महीने की अवस्था है?

(अ) दिसंबर (ब) अक्टूबर
(स) नवंबर (द) इनमें से कोई नहीं

9. शीत ऋतु के आरंभ में तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र में वर्षा क्यों होती है?

(अ) दक्षिण पश्चिम मानसून (ब) वायुधाराओं से
(स) शीतोष्ण चक्रवात से (द) उत्तर-पूर्वी मानसून से

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. निम्नलिखित में से कौन-सी भारत में शीत ऋतु की विशेषता है?

(अ) गर्म दिन एवं गर्म रातें
(ब) गर्म दिन एवं ठंडी रातें
(स) ठंडा दिन एवं रातें
(द) ठंडा दिन एवं गर्म रातें

रिक्त स्थान

11. किसी विशाल भू-भाग में एक लंबी समयावधि की वायु मंडलीय दशाओं के योग को _____ कहते हैं।

12. किसी स्थान पर लिए गए अधिकतम व न्यूनतम तापमान के अन्तर को _____ कहते हैं।

सत्य/असत्य

13. दक्षिण भारत में दैनिक ताप परिसर सबसे अधिक होता है क्योंकि यहाँ विषुवतीय जलवायु है।

14. जेट वायुधाराएँ ऊपरी वायुमंडल में एक संकरी सी पेटी में तीव्र गति से चलने वाली वायुधाराएँ हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. उष्ण कटिबंधीय चक्रवात की प्रकृति कैसी है?

16. मानसून किन महीनों में पीछे हटने लगता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. उत्तर भारत में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा क्यों घटती जाती हैं?

18. राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग तथा पश्चिमी घाट का वृष्टि छाया क्षेत्र सूखा प्रभावित क्षेत्र है। कारण बताएँ।

निबंधात्मक प्रश्न

19. दक्षिण-पश्चिम मानसून की अरब सागर शाखा से भारत के किन भागों में वर्षा होती है?

20. पश्चिमी घाट के पवनाभिमुख ढालों पर पूर्वी घाट की अपेक्षा अधिक वर्षा क्यों होती है?

HOTS

21. भारत के किस भाग में दैनिक तापमान अधिक होता है एवं क्यों?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(स)** आधा
2. **(ब)** मई
3. **(द)** दिल्ली
4. **(द)** जम्मू-कश्मीर
5. **(ब)** लू
6. **(स)** त्रिवेन्द्रम
7. **(स)** विषम जलवायु पाई जाती है।
8. **(ब)** अक्टूबर
9. **(द)** उत्तर-पूर्वी मानसून से
10. **(ब)** गर्म दिन एवं ठंडी रातें
11. जलवायु
12. ताप परिसर
13. असत्य
14. सत्य
15. विनाशकारी
16. अक्टूबर और नवंबर में
17. हवाओं में निरंतर कम होती आर्द्रता के कारण उत्तर भारत में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा कम होती जाती है। बंगाल की खाड़ी शाखा से उठने वाली आर्द्र पवनें जैसे-जैसे आगे और आगे बढ़ती हुई देश के आंतरिक भागों में जाती हैं, वे अपने साथ लाई गई अधिकतर आर्द्रता खोने लगती हैं। धीरे-धीरे आर्द्रता घटने के परिणामस्वरूप पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा धीरे-धीरे घटने लगती है। राजस्थान एवं गुजरात के कुछ भागों में बहुत कम वर्षा होती है।
18. राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग तथा पश्चिमी घाटों के वृष्टि छाया प्रदेश सूखा संभावित होते हैं क्योंकि राजस्थान में अरावली पर्वत के समानांतर दिशा में स्थित होने के कारण अरब सागर से आने वाली मानसूनी पवनें बिना रोक-टोक के गुजर जाती है जिससे राजस्थान शुष्क रहता है। गुजरात के पश्चिमी भाग तथा पश्चिमी घाट का ढाल की पवना विमुख ढाल वृष्टिछाया में स्थित है इसलिए राजस्थान और गुजरात वर्षा प्राप्त नहीं कर पाते हैं सूखे रह जाते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19. दक्षिण-पश्चिम मानसून की अरब शाखा में सबसे पहले केरल के मालाबार तट पर वर्षा होती है। फिर इस शाखा से गुजरात से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे पश्चिमी घाट पर वर्षा होती है।

दाक्षिण-पश्चिम मानसून की अरब शाखा को तीन उपशाखाओं में बाँटा जा सकता है-

- **i. पश्चिमी घाट शाखा-** अरब सागर शाखा जब दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर गतिशील होती है, तो पश्चिमी घाट उसके मार्ग में अवरोधक बन जाते हैं। यहाँ इन पवनों को बाध्य होकर ऊपर चढ़ना पड़ता है। इस प्रक्रिया में संघनन बहुत तेजी से होता है। फलतः पश्चिमी घाट के पवनाभिमुख ढालों पर भारी वर्षा होती है। यह देश के अधिक वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में गिना जाता है। पश्चिमी घाट के पूर्वी भागों में ये पवनें बहुत कम वर्षा कर पाती हैं। पश्चिम तटीय भागों में दक्षिण से उत्तर की ओर कम वर्षा होती है। मालाबार तट अधिक वर्षा प्राप्त करता है, जबकि कोंकण तट पर कम वर्षा होती है।
- **ii. विंध्या-सतपुड़ा मध्य शाखा-** यह शाखा विंध्या और सतपुड़ा पर्वतों के मध्य में होकर अपना मार्ग बनाती है। नर्मदा घाटी को पार कर छोटानागपुर तथा राजमहल की पहाड़ियों तक पहुँचती है। इस क्षेत्र में पहुँचकर यहाँ अपेक्षाकृत अधिक वर्षा करने में समर्थ होती है। इस शाखा से पश्चिम से पूर्व की ओर वर्षा कम होती जाती है।
- **iii. सौराष्ट्र-कच्छ शाखा-** यह शाखा गुजरात तथा राजस्थान से होकर पंजाब के मैदान तक पहुँचती है। इसके मार्ग में अरावली का विस्तार पवनों के समानांतर है। अतः यह शाखा बेरोक-टोक हिमालय प्रदेश के पर्वतीय भागों तक पहुँचती है। यहाँ हिमालय से अवरोध पाकर कश्मीर, पंजाब तथा हरियाणा में सामान्य वर्षा करने में समर्थ होती है।

20. वर्षा के वितरण पर उच्चावच का बहुत प्रभाव पड़ता है। पश्चिमी घाट के पवनाभिमुख ढालों पर 250 सें. मी. से अधिक वर्षा होती है, जबकि पूर्वी घाट के पवनाविमुख ढालों पर 50 सें.मी. से भी कम वर्षा होती है। इसके निम्नलिखित कारण हैं-

- i. दक्षिणी पश्चिमी मानसून पवनों को सबसे पहले पश्चिमी घाट के पवनाभिमुख ढाल पर ढाल के अनुसार ऊपर चढ़ना होता है। यहाँ से संघनित (संतृप्त) हो जाती है।
- ii. संतृप्त वायु से सघन बादल बनते हैं और पवनाभिमुख भागों पर भारी वर्षा होती है।
- iii. वर्षा करने के बाद जब ये पवनें पश्चिमी घाट पर्वतमाला को पार करती हैं तब तक उनमें नमी की मात्रा कम हो जाती है।
- iv. पश्चिमी घाट को पार कर जब पवनें पवनाभिमुख ढाल पर नीचे की ओर उतरती हैं तो तापमान बढ़ने से उनमें शुष्कता और भी बढ़ जाती है। इसके परिणामस्वरूप पवनाभिमुख ढालों पर बहुत ही कम वर्षा हो पाती है। यही कारण है कि दक्कन पठार के आंतरिक भागों में वर्षा कम होती है।

21.

- i. यह भारत का उत्तरी-पश्चिमी हिस्सा है। यहाँ का तापमान 48 डिग्री तक बढ़ जाता है।
- ii. मई-जून माह में भारत के उत्तर-पश्चिमी हिस्सो में न्यून वायुदाब की दशायें तीव्र हो जाती हैं।
- iii. भारत में दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवायें प्रवेश करती हैं। जिससे इन भागों में आर्द्रता एवं उमस बढ़ जाती है।
- iv. मई जनू के माह में धूल भरी, गर्म और शुष्क पवनें चलती हैं, जिन्हें लू कहा जाता है।

100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES